PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Hindustan, Delhi
Thursday 2nd January 2014, Page: 8
Width: 12.61 cms, Height: 8.42 cms, a4, Ref: pmin.2014-01-02.49.31

देशी इलाज के विदेशी पेटेंट खारिज हो

नई दिल्ली | विशेष संवाददाता

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पर्यावरण एवं वन संबंधी संसदीय समिति ने भारत के परंपरागत चिकित्सा ज्ञान पर विदेशों में हुए पांच हजार पेटेंटों को खारिज नहीं कराए जाने पर चिंता जाहिर की है। समिति ने कहा कि हालांकि, परंपरागत ज्ञान डिजिटल लाइब्रेरी (टीकेडीएल) ने हाल के वर्षों में इस दिशा में अच्छा कार्य किया है। लेकिन वह अभी तक सिर्फ 1073 पेटेंटों को ही विदेशी पेटेंट कार्यालयों में चुनौती दे पाया है जिनमें से उसे 137 मामलों में सफलता मिली है।

समिति ने हाल में अपनी रिपोर्ट संसद में पेश की है। समिति ने पाया कि यूरोप, अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और जापान के पेटेंट एवं ट्रेडमार्क कार्यालयों में देश के परंपरागत चिकित्सा ज्ञान पर बड़े पैमाने पर पेटेंट हो रखे हैं। अध्ययन बताते हैं कि करीब पांच हजार ऐसे पेटेंट हुए हैं।

इस किस्म की चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार ने टीकेडीएल का गठन किया है। टीकेडीएल में देश के परंपरागत चिकित्सा ज्ञान के करीब ढाई लाख फार्मूलों को अंग्रेजी, फ्रांसीसी, स्पेनिश, जर्मन आदि भाषाओं में पेटेंट फार्मेट में डिजिटल रूप में तैयार किया। इसकी प्रति उपरोक्त सभी देशों के पेटटों कार्यालयों को दी गई है।

समिति ने पाया कि टीकेडीएल के अस्तित्व में आने के बाद परंपरागत चिकित्सा ज्ञान पर विदेशों में पेटेंट हथियाने की प्रक्रिया अब कम हो गई है। टीकेडीएल ने पहले लिए 1073 पेटेंटों को चुनौती भी दे रखी है। जिनमें से 137 मामलों में विदेशी पेटेंट कार्यालयों ने पेटेंट खारिज भी किए हैं।

समिति की सिफारिश

- रिपोर्ट के अनुसार पारंपरिक भारतीय चिकित्सा ज्ञान पर विदेशों में पांच हजार पेटेंट कराए गए हैं
- टीकेडीएल ने इनमें से 1073 पेटेंटों को दी है चुनौती, 137 को खारिज कराने में मिली है सफलता

3